

पुनः पुनः १० मिमिमायुः यदि १० ज २ वायसिधयेकमेव पुनः पुनः

पुनः पुनः

पुनः पुनः

पुनः पुनः

१० ज २ (ससिमा/सर्वोपमा/जोम्वत्वा/दि/मकर/हृ/दि/सरा/ज/भा/रा/मार्थ

१० गी/गन/स/न/म/ १० पुनः पुनः सर्वोपमा/जोम्वत्वा/दि/मकर/हृ/दि/सरा/ज/भा/रा/मार्थ

401
Bala
graha

० जिन/धन/मार्थ



[illegible]

सिद्धिः नमो भगवते ॥

२

नमस्तथा हं से न तं न स न स नं ॥ रश्मिर्गोदा विमार्ज्य नुनं दिनी प्रयतो मम ॥ सिंधु र्हा सिद्ध नं नाग
सं तं हि नो सं का स सं प्र हो ॥ पतं घृते स न मुक्तिः पुक्ति च पत्र म ॥ वनी ॥ वन सिंधु तम क स सं विय ॥
हृदि ॥ उ स र्भ म थ व पा ता स च उ र्द ग स त मि ते ॥ दि वा व रू रू लं द हि दृ सि दं ड क यो मं हं ॥ ऊ जं का
उं य ह्य प वी त नि हि ल धो तं गि तु नी कृ तं ॥ प री कि तं म या दे वो ग र हो ले प त्र म ॥ वनी ॥ उ म ला
कु न्दा कृ यं थी ति य वि हं द व रू क्रि तं ॥ मा ल ती म नि पृ यार्थे द का मा द स र्वा र्थे ति ॥ क रू प ता ॥ उ क री
थं य ग लं वे प ता क र्ब लू सं य तं ॥ पंच व र्ण रू लं द हि डो क या मि प त्र म ॥ वनी ॥ पंच उ ता क ॥ प ता का व रू
पंच वे त ॥ पंच ग ता ल क ॥ प त्र व र्ण यं व रू लं द रू गृ ह्य ल प त्र म ॥ वनी ॥ उ रू वा ल ॥ वा स र्फ ति स रू म्मा नि ॥
मि ला वं प्र क र्ति यं ॥ न तं नं मि स मा य कं ॥ प वि गं पा प ता म नं ॥ व रू म मि क रू म्मा ॥ क रू डि को र व रू उं वि
का म नि स रू रू मं ॥ म न्मा म न्मा दि दं दं म स रू म्मा ॥ पु कि णु क रू मं ॥ प रू वा स नं वा य ॥ आ हा दि स रू क रू
य रू मं उ रू मि दि न जा य तं ॥ व व रू म रू म मा नं न तं रू नां यी त वा स रू म ॥ गाय हा रं ॥ य रू क रू य म मि दं
मी लो जा य म रू मि हि ॥ स रू म ॥ ना ज रू म कि रू लं द हि ॥ गृ ह्य ल स रू म रू म्मा ॥ रू म ॥ रू म नि वि वि
म ॥ क रू लं जा म्मी नं क रू रू रू लं ॥ जं रू उा दि रू रू रू रू रू गृ ह्य लं प त्र म ॥ वनी ॥ नं वं प्र ॥ ल य

[illegible]

अथ माहेश्वरी प्रजा ॥

ॐ ऐं वृषलास्य पाद को ४
संगवर्द्धि वरुण जा ॥ प्रता
मा मी है ॥ ध्या नूपुष्य नमः ॥
ॐ ऐं मों मों मों मों माहेश्व
को पूजयामि ॥ ॥ ॥ दया
प्रसेन ॥ काउ ॥ ॥ इति



यास ॥ ॥ ॐ ऐं ध्या नूपुष्य नादि ॥
ध्यान ॥ ॐ ऐं महावृषलास्य पाद
द्वि नूपुष्य नादि ॥ ध्या नूपुष्य नादि ॥ ३ ॥
ॐ ऐं मों मों मों मों माहेश्व
को पूजयामि ॥ ॥ ॥ दया
प्रसेन ॥ काउ ॥ ॥ इति

[illegible]

प्रथम कोमली पूजा ॥ ॥
 उं ह म य न्ना स्ता य पा इ को
 ह म य न्ना सु मा त्तरा त क
 पूजा च ह नो को मा नि कं
 स्नान च ग सिं ध त स्नान
 ॥ उं ह कां की र्ण कुं आ को
 य पा इ को ष्ठ ज यामि
 व सि उ थं ॥ कृत न जा



न्या स ॥ ॥ उं ह श्र वा ना दि र
 पू ज यामि ॥ ॥ ध्या ने ॥ उं ह म
 वः श्र च तु रु जा ग क क वि न्
 रु ज ॥ ॥ न य ष्ठ न मेः ॥ ॥
 ॥ श्र वा ह ना दि ॥ श्र ज्ज ति र
 मा नी द वी ष तु र न व स हि त
 ॥ उं ह ह द या दि ॥ ग य जे ॥
 य ॥ स्तो त ॥ इ ति को मा नी पू ज

सिंहनदंका. अथगंलुमाता सिनादना कन्दनागम मृतु मना कुमाग्रा मन
कम्यन (५) साद्वानपिदरययनागम खनकर जातिनागम ॥ अस्तिविध
प्रवर्तनथमयसग्रहदडा नकायविष्णुचामेन्दा माहांकातड द्विगदु जयुष्य
३ कानरडांतिनागम ॥ सिध्यावनाव १ ३ ग १० ११ यखेडा दडाक
२ वान  कादय दासदडाइरुगइ ममिकहातिइ सिमाइ 
 काखइ नयानाहोमिवितुगम दुसिनदनेधुन सिममकयाडाडागयाइ
देजवसुन्याडाडागयाइ यवगसनया किनाठानमातु यडाइ सुदव सिउम
नानायनसकपं  मनेपुग नमंदासकसिउम कतख सरुजा ॥ २३३३३३
इ सिध्यावनाहसुनंद याथय यखेडाइनसा अस्तिविध दूधगुह पानाहान
सर्नसावियाडा साव

अथ वैष्णवी पूजा ॥ न्यास ॐ ह्रद
 गत्रा ज्ञाय पाद कां पूजयामि ॥
 मधुमवर्त्तु रुर्युक्ता विरुकापाल
 ॥ नमो भूषे नमः ॥ हो न वदनः
 शांति ॥ ॐ ह्रं वां वां वूं वां श्री वैष्ण
 पाद कां ४ ॥ ३ ॥ ॐ ह्रं ह्रं ह्रं यादि ॥
 ॥ ॐ ॥ न्ति वैष्णवी पूजा ॥ ॥



यादि ॥ ॐ ह्रं आक्षमादि ॥ ॐ ह्रं
 क्षाने ॥ ॐ ह्रं महागात्र समान्तां
 मं त्वं च वक्त्रपात्रो धृगात्र ऊ
 पुं धः सिंह नमः ॥ आवाहनादि
 दीदये काय हे नव सहिताय
 मम यत्नी ॥ ह्रं वर्थं वलि ॥ आप

१ नमो न्याय्योद्दिष्ट विष्णुनामः गन्धर्वकं नुस्वकं प्रदत्ता शोभा कुरुनारु
नंदनसुत्रकृष्णपिदा हिपनातिवाता नमस्वि विधिः जलधर्मसिद्धे माहाफ
लेष्टेष्टे कर्मधर्मन हर्षनाग किर्तुग्रह स्नानरुद्रहो कृतमार्ग हर्षिनि
एजा यक्षस्य स्वविधानन नृपकान्तरु अंतिनामि कुरुनि विष्टि विसम्भ
जहयाइ ध्यानयश्नाव ४ १५ ११ १२ १३ हातिद ज ख हाद ज ध
लदा १ इंद ज देव क्रै २ वान ना वानवगुना कात थउ स नोरा
इय ज क्र सिधलेदय निवसकय मरुदय ज केतं ख स ए जहाय पू
किपी वास ख ज थडो ज इ स मय मा १८ ० ३२ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००
।य इति कुरु नमो न्याय्योद्दिष्ट विष्णुनामः गन्धर्वकं नुस्वकं प्रदत्ता शोभा कुरुनारु
आदिगोत्रह वज्रं देवत किं अक

75



ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ध्यानं ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मूलाचमीर्नमो ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 इकोपयया ॥ ८ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ आय सा ॥ १० ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

एव नैनजिवं मतय तास नं चं उ त अ य म्वे आ स म व पि ज वा मा रु न गु ल म त थ
पि गू तं पि ग म व ज आ य नि की मि दा मा ॥ म नि वि वि ॥ पि म व कू मा उ य हा
वा य द व ता व तु स थ द व ता अ न नि अ द व दा उ हो कू म य ह ना ग रू त गि व
थ अ गु वि थ न चं धी पू ज य ग म् व स्का त उं नि ना गि ॥ ख त या व म् व ३। ५
५२। १। २ ॥ मा हा व र्म ना ग र्म २ ध त आ ग म् स कू कू सि ला ह रं व उं न
द य वि डा त रु ड् ध मि ग ध त सि म दा वा न उं क ख ड ना न वि त सा ग सा य ना थ थ
ए ह मा इ वि पू र् क यं अ म त य ज आ अ का स वा नि या ग वू कि नि स र्व ज थ ड ड
त थ कि ज क १ र वा कू मा सि स कू र् जा क ता रू मि नि स य ज हा य कू रू मि नि स क
पू य रु व रु म म् म् व र्म द कू उ य कू थ र् य कू रि क स स ड न सा ग नि व न गू ह
वा कि डा य कू स्या क

अथ चामुण्डा पूजा ॥ न्यासा
 योपाद्रकां पूजयामि ॥ ॐ नमो
 च चतुर्भुजा ॥ ७ मन्त्र खट्वा
 नरघननमः पादकां ॥ ८ श्रा
 म्भ ॥ श्राद्धे शि ॥ ३ ॥ ॐ ८ वां
 नरे नव सहि नाय पादकां
 वलि ॥ जाप ॥ ॥ ॥



ॐ ८ शक्रादि रात्रे ८ पता हना
 ॐ ८ महाप्रताप मानरुता न का की
 ८ हस्तव विनूत ॥ १॥ ॐ
 वाहनादि ॥ जल चंदन सिंदूर प
 ॐ ८ वां श्री वां मन्त्रादये ह्येष
 ॐ ८ ॥ ८ हृदयादि ॥ गायत्री ॥
 निवा म्भु पूजा ॥ ॥ ॥

रगर्जन पाष्के दून सह नाग ॥ अजिह्व कौपामय अक्र नाग नाग मयिज व मि

रगर्जनपाष्केदनसकनाग। अजिर्लु कोपामय अऊनागनागमेपिजकुमि
ननागअवुविवविकास्नागवकंलुममिविधी॥ मगअवुवुत्तनाजाअतुपुष्कल
निचंशुीधननंदिजत्विजागयत्तविमवयत्तपूजावस्मात्तजिनाजि॥
गजयादनाव १॥५॥१०॥११॥१२॥१३॥१४॥ इत्तसस्मिमाद् यानिजातगमजिधत
सिमांअखदावागवाकदकंनाहोननकोत्तसवित्तसनेसागपूजाअवत्तनना
गनात्रायात्कं११इदइवसिस्मगलमसयाकंसंजमजिनमाद्वयासिमाकासइवम
गवलिआयजोत्तउगदिनसकाककंदधसनागंयत्तनवत्तसिपयत्तइदइज
रथार्थयेधसंजनसाथजित्तित्तकनगुथधसित्तकंकाकदिगसासिय
उकुगहनाहानसखुद्विनंसाक१। वद्विमस्याकवत्तनित्तित्तवावाका

अथ महा लक्ष्मी पूजा ॥ नमो
 नमो पादकां पूजयामि ॥
 श्री कृष्ण मातृ न विग्रहा वि
 पनम ॥ श्री ॥ ध्यान पूर्वकं न
 नादि ॥ कुलः चंदन सिद्ध
 म्प्रां श्री महा लक्ष्मी देव्यं संह
 श्री ॥ उं हृदयादि ॥ गमयन्ती
 ॥ किमहा लक्ष्मी पूजा ॥ ॥



निं ॥ श्रवणं यदि र ॥ ने ॥ महा
 ध्यानं ॥ ने ॥ सिंह तन गता ल
 इ म्पदा एव लाक्ष धृणां धाम्य
 म पादकां पूजयामि ॥ आवाह
 पृथ ॥ श्री ॥ ति ॥ निं ॥ मां मां
 न हे नव सहि गाय पादकां
 मूलनवति ॥ जाप कुरु ॥ ॥



[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय दिन १ मास १ वर्ष १ थ
 त्वस हनं ननामं ग्रह न जाड न कनक
 माय रवाय उ थ १ कृत न प्यं य ता न ह
 य मि रं वा स्यां य थ त्व नो ग ना त्रि स पिस
 वर प न रथा य थ या भं कि नि ज ति न ड
 य इ यि का था या दान ग्र हं ल थ या ठाः
 स्रं ग म प ल्प माय पु नाल क र म का
 माय रं व ग ल्प थ य दि य कि त

ग्राह्याय वाह्याय स्वाहा या न ह्युहामथ ३ अथ ग्राह्याय ध्व
 प्रकाशात्कसहा धन अथ ध्वयथाडा रोगायपताययंदा तु
 स्वयंके मवायापुस्तकायानयडा रसहाहायंकाय सहाय

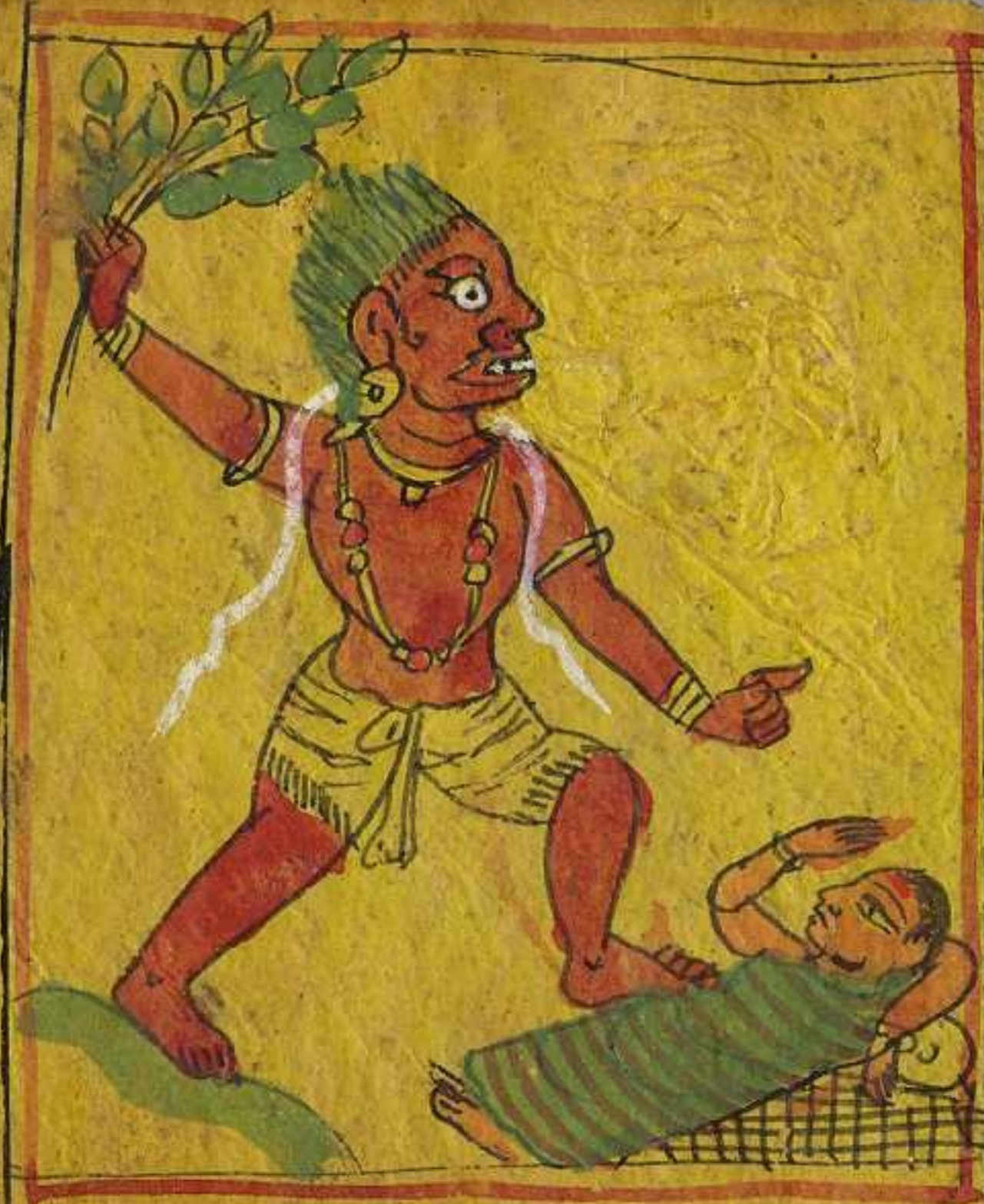
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

माहनीः सोम
तिष्ठति
सर्वकर्मणिः शुभं

गुण
वेद
पात्र
आचार्य

ग
क
क
पत
अर्थ
पात्र
सकय

तायः वातायः धृजः
गुणतिः धृवायः क
नैवताः येव पता
श्रद्धातः दिस्ती
कोकमदिः मातिः सि
सावाताः यमः अरु
वेवातः लः केतः हा



मङ्क १ नमो २ नै दं २ शुनकानामग्रहनशानिडा
 व्याख्याय जालनययं ससडा मु इममानिडा उथ
 १ थायडा बाधुरयनखा एडा थगासांलि विधिः
 धानलथयाडा सुगमपत्ताय जजमका दरव
 ययप्र बालानसांक ध्वकिलजाकाय इदाक ना
 डा थं म्माक जमयस्व पा ले काय ३ ध्वय म्माकः ३
 सासं तरु विरुती थक ध्वयक थन सुगमपत्ताय
 ना गियाक ध्वकिदाडा डा ध्वयसु रायक ३

ॐ क्रीं सों कुं कुं कुं ॥ थ माहनी मंत्र ॥ ३
 (थ स पत्र बाय ॥ ३)

न त्रय न द स वा क वा य ॥ ॐ जं नं मह न सं दि वं प हि न सै स म न्ति ताने व दं द व द व गी र
हानं त्वं न मान मः ॥ ॥ ध न ध न द व वा क न न ना सि य ॥ ॐ अ द्या दि ॥ सु र्वा र्च उ न्न म स्का
न न्ना सार्ध पा र्ण पू जा आ त्म पू जा ॥ ॥ आ ह नि रं दा स चतु स स्का न या य व त न ॥ सा ध नं वा य व तं
३ सु द व या मू ल मं त्र नं ॥ ध न द व धि र्मं ॥ आ ह नि रु य ॥ ॥ ध न मा लि नी प ॥ ॐ व र्च प
॥ ॐ सु लि ध नः ॥ ॥ ३ ॥ सु द वा ग आ वा ह न या य ॥ ॥ त तः पंच व ति पू जा ॥ ॐ म पू ना स ना य या इ
का पू ज या मि ॥ व ति ॥ ॐ र्थां क ल पू र व द क ना था य पा इ कां पू ज या मि ॥ व ति ॥ न ना स ना य पा
इ कां पू ज या मि ॥ ॐ १ ॥ ॐ प ४ न ल दी प ध मी द वी म हा का ला य कृ त पा ला य पा इ ४ ॥ व ति ॥ ॐ
म वा स ना य पा इ कां ४ ॥ ॐ या नि नी ला पा इ कां ४ ॥ व ति ॥ ॐ २ ॥ य क वि द्या गि नी पी ॥ ॐ आ दे
उ जा स ह जा या ग जा ग र्हा जा कू ल जा मं हा ह जाः ॐ के वि द्या गि नी नां ख व नी ल व नी ल ग व नी
उ का कू नी श कू नी श कू नी चतु रं च व तु स फा ल न व द नी लं ॐ उ ज ग्रा मि नी नां य स्म य
य ना नां रु दं व ति रु क्म म सि दि क र्च रु रु ३ स्वा हा ॥ ॐ र्थां सि दि वा मू उ म रु द व



अथ ३ स्वना ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३
 मग्नहन जा नि ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३
 जातन वृत्त नाहात अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३
 नृगद स्या कदम्ब ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३
 ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३
 या ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३
 का स्या नमस्तं विद्युः शुभ ३ अथ ३ अथ ३ अथ ३

खिल जा काय विवसि मन्त्र काय ३ ध्य प्रका निम्न कृतज्ञ धी
तथ क ध्य यथा

४
सिंह कुरु स्वाहाः॥ ॥ एता सनाय पाइ कां ४॥ ॐ ह्रीं श्रीं विद्वाम् तु अथ नीपाइ कां
४॥ ॥ मत्वा सनाय पाइ कां ४॥ ॐ ह्रीं गं गीं गूं ॥ ॥ गः ॥ ॐ श्री कृतज्ञ लब्धनाय
पाइ कां ४॥ वसि॥ ॥ आवाहनादि॥ दत्तु तर्जनी योनि विंदु गज मूर्त्तां दर्शय ॥ ॥
धूप दीप रत्न नेत्रेणः समयः सकला काय ॥ ॥ जाय ॥ ॐ श्री स्वाहा ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॐ
स्वाहा ॥ ॐ स्वाहा ॥ ॐ स्वाहा ॥ १० ॥ काय ॥ ॐ गो जायं कुमानं सग नन वृद्धं तं दे
वकं प्राप्ति ॥ नीच वाम् अवतु तृपाइ निग ल्य हनं विप्र हानं गल्लं ॥ ॥ एषा आ
धूप दीपा विषम ध्व वसित म्ब विता हवितां ग चक्रमं फल कानां विनय उजनिग
तुकि म्कि पुदाय ॥ अरु गं कदि ॥ ॥ ॐ निपे च वसिपूजा ॥ ॥ धन थडा दत्तु ति य



पद्म ४ अना ४ पदं ४ धर्म सु म
 ख मं लुका । नाम अक्र न जी नि डी जा
 ल न व र्च द्वा क स्या य उ र्ध्व र ना । हो नि
 कृ ति क्ति य् हि वा य् ग लू मा ना डी य् मि
 र रा स्या य् धर्म भ मं उ क ल व न ष्या य्
 ध र्मा भ मं नि वि लि षू ल ता था म्भ ल
 या वा न क्र ल थ् र्ग म प ला प का इ न
 ज म का स्वा न म क वि य् वि लै ग क

य ३ मासु क्काय ३ ना हा थं माध्व ध्रुव विष्टि म नू क्काया र्गं सि
गस क्काय स्थान प्रका थ र्गं ध्रुव ॥

२ अंकुशः ना ला म

७

यवलि विष्टि क म क ड ॥ ॥ त मा विष्टि न्या स या य ॥ ॐ हृदयादि ॥ अङ्ग न्या म
क न ह न्या स ॥ त मा द वा र्ग न ॥ ॐ हृदयादि ॥ अङ्ग न्या म
क म न ॥ क र्ग काः ॥ ॐ हृदयादि ॥ अङ्ग न्या म
॥ अ म व प्री व तु र्गु जां विष्टि का पा ल मं र व व क पा ल मे धु ता म् ॥ ॐ हृदयादि ॥ अङ्ग न्या म
॥ अ म सि ध न खान क ॥ या ॥ ॐ हृदयादि ॥ अङ्ग न्या म
॥ अ म यो पा इ कां ॥ ॐ हृदयादि ॥ अङ्ग न्या म
॥ अ म विष्टि पा इ कां ॥ ॐ हृदयादि ॥ अङ्ग न्या म

दुष्ट न



डाङ्क २ डाना २ डादं २ चरुस वि
 असनामग्रन जाति डी स्वासडायुडा
 न्नागायुडा ननामन्नायुडा वाकनागश
 युडा जालनययुडा क विवहमनि पारन
 पार थो यो सांस्त्री विधी गार या वा काया
 वरादस ये धोजयताय झाडू जजमका
 स्वाणामतविय पिरजा इइंजा ताव थोते

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥
॥ द्वाय रा डा थो म्वात धरि इइ थोते द्वाय ध्रुवमइरअ सा नं वि
षरी सका थोते ध्रुव इ थनैश ॥

१४ ततो गलनमपूजा ॥ न्यास ॥ जे २ शोभा नादि ॥ जे २ मूषा सनाय पाइ को ४ ॥ ध्यान ॥ जे २
मजवकुं गलनमं व. लं वादनमस्तननं । शो गच्छे गवं दवपी ० या नी करु ॥ ।
ध्यानपूषा नमपाइ को ४ ॥ शो वाहनादि ॥ जलवंदनसिंदूरपूषा ॥ न्यास ॥ जे २
मंजो मं मं शीमलपगयवनदा देवी सहिताय पाइ को ४ ॥ जे २ हृदयादि ॥ मध्य
वसि ॥ जे २ धं ॥ जाप कौ ॥ ॥ इति गलनपूजा ॥ ॥ ततो कुरुपा लपूजा
न्यास ॥ जे २ शोभा नादि ॥ जे २ पुगा सनाय पाइ को ४ ॥ ध्यान ॥ जे २ नीलजीमूत संक
मं उकवकुं गिलाचनं । पिंगलपिं गकं वस्वकं रुं ककषा विनं ॥ जमरुत दं
रुं हं रुं व विन्नु का पा लक्षानि ॥ पुं गारुं महा देवं ध्यान कुरुपालकं ॥ ॥



श्रु ६ खरा ६ वृदं ६ थो ते सकृणि का
 नामग्रहनजो गिव क तु इ व जो र न वृ
 व सियं फे व उ ह क ल प न व्या इ व थो
 या सां सि वि धी वृ इ ता थी ता या वा रा य
 ह ले ये फा गा व ता प क्रा इ ज न म का
 खान मत विय ए सा क वृ व क थ ने
 दा क रा डा म्या त मा स हा म र थो

ते द्वाय धूपयिषु ति स्य त रा द्धु वि वा नं र सि यि मा पा थौ ते धूपम

१२

न पुष्प पाद कां ४॥ आवाहनादि ॥ जल चतुर्ध्रु ल स्वां ॥ ग ॥ आ ॥ अलि ॥ उं ॥ अ कां कीं कूं
कुं कुर पा लाय पाद कां ४॥ उं ॥ ह द या दि ॥ ग म य जी ॥ व लि उ थं ॥ जा प सा गु ॥ ॐ ति
कुं कुर पू जा ॥ ॥ अ थ कुं कुर पू जा ॥ न्या स ॥ उं ॥ २ आ ध ना दि ॥ उं ॥ २ पु ना स ना य पा द कां ४
॥ नं ॥ उं ॥ २ पु ना स ना हि तं द वं नी ल व र्ण क व कु कं ॥ पि नं उं ॥ सें कुं जं द वं द्ये कुरु ट के ध
नि नं ॥ मं ॥ उं ॥ मा ला वि लु वा दं ॥ ति व कुर पा ल कं ॥ ॥ न पुष्प पाद कां ४॥ आवाहनादि
॥ जल चतुर्ध्रु ल स्वां ॥ ग ॥ आ ॥ अलि ॥ उं ॥ २ कां कीं कूं कुं कुर पा लाय पाद कां ४॥ उं ॥ ह द या दि
॥ ग म य जी ॥ व लि उ थं ॥ अ थ सा गु ॥ ॐ ति कुं कुर पू जा ॥ ॥ ग ना व ट क य ज नं ॥ न्या स ॥ उं ॥ २
आ ध ना दि ॥ उं ॥ २ म म म म ना य पाद कां ४॥ ॥ नं ॥ उं ॥ २ म हा म स न मा तृ टा कृ मा नं वा ल
तृ पि नं ॥ त क म उ हि ल वा दं द तु म कि व नं धृ तं ॥ वि नु मू डा क नः ॥ गी मा न न का म्ब न

ॐ



क्लृप्तं १ क्लृप्तं १ क्लृप्तं १ थो
 तैस्य अद्वितीया एव मग्नहन जो झार
 अं झार पंगनिं व एव सामन इव उथ
 रषोश्च क्लृप्तं मदय विसाव लुपन
 धार वारक थोशा सास्ति विधि मा
 रया वा काशा व ग्रह लथे प्लंग
 पताय यइ जजंम का एव कश्चान

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥

विष्णुसिंहासने उवाच ॥ दत्तकनाथ कृपिण ॥ क्षम न पृथु पाद को ॥ अवाहनी
दि ॥ जल चतुर्ध्वज ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
रुदयादि ॥ गमयन्ती ॥ वलि ॥ जापस्तोत्र ॥ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ ॥ गता मोहनी प
जा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
पाद को ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुतनी पाद को ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वजन कृपासागर नी पाद को ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वसिद्धि माहनी पाद को ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



शाङ्ग ४ शाना ४ शान ४ यो ते स
 जम्बूकानामग्रहणजोडा रङ्ग ए मे
 लइ रासहार रासनङ्गतिर हि स्थ
 सनिवृत्ता र मिषा विविच यथास्मात्
 यो ते शो ग यो या सांति वि वि आव
 मतस हिपुष्प रिशुङ्ग यो तनगरु
 लये लुब्धे न अर्घ्य विषय का गायता प

जो यजुज स का शाना ४ शान ४ यो ते स

[illegible]



३३२ ३३२ ३३२ ३३२ ३३२ ३३२ ३३२ ३३२ ३३२ ३३२
 एमग्रहनधारः ॥ जो झारऊन जोरनए
 सु थं वरवें हि कृवश् मिखाने पानं म
 ष निवृ ग्धो हयन करकषाय थो
 या सा सिं विधी यो तनग्रह लू थै काग
 पताप यश् जुजमका न स्वाकस्वान्
 प म तं विय धिरजा धरिद्र देरसा
 षर रिन हामरमध्वे म्वात सै सा थो



डिङ्ग १० डिश १० डिदं १० थो ते स रेव
 निनाम गृह न च को निव उ थो नो स र
 स्रव कं थो ~~स~~ यूर गार स्याय स्वा सव य
 मिषा णाम ष णि व सात हा य थो ते रे
 ग ॥ विकत लपन वार ष षा य थो या
 संसि वि वि ॥ इह ता थी ता या या का
 या व ग्रह लू थो सतत माव इह न्द्र व

८४
विय लुस फागा यताय तो मू दू तुन कोय क्य माल जजम का दू बे गंधी ध
य मत विय मा विरजा द्वा य रा द्वा थों सात हा मल मध्वे क सि थो ले
बोय धूय सा वा या सा डं वि वृ रि रं मा थो ते

१२ अ मा ला पत ना के त पू ना ॥ यो ० जा के गु जा ॥ मेव ग रुं जो स रुं जा रु था ॥ या ग जा
मनु जा ॥ मेव कु ल जा ॥ वि ॥ अ य त ॥ ना ना नु प ध ना ॥ अ मा या ति ॥ या व ल वं के
ना ॥ ना ना द ग नि वा सि ॥ या अ सि त् च के स मा ग त ॥ स म या के ल ल वा नो ग थ
र व ल का छि न ॥ ए प नु जा ग व ह गे ग न्ध पृ ष्ठ रु लं छु रु ॥ ए प नु व नु ते का सी
वा छि ग तु स दा म म ॥ जां जां दूं ३ रु रु स्वा हा ॥ ॥ ति व ति ॥ व न्द न सिं द न स्वा न त
पृ प ॥ म्मा य द व दे वी ना नो ग न्ध से नृ प के ॥ सा सा नं सर्व द वा नां ध पो यं पु ति म्
अ तां ॥ दो प ॥ रूप का म महा दो प स वृ ति मि ना प ह्म स वा क्का र्यं त नं श्री ति दी



त्रिमच्छु ११ त्रिमच्छरा ११ त्रिमच्छद ११ श्री
 तेस पि रि पि द्वा का नामग्रहन जो निद्रु ग
 भस जो निद्रु रात्र सखपन वा रक जो नि
 वृ मनु नं म्वा चक्य मजिद्र वा सै रनं मजिद्र म
 तु अयं फरं प्रमसं इ ई हो य् थोनं रिम
 छि निद्रु ज्ञा वानडा विप्र फत सा म्वा य् व
 थो सो सा सि विधि आव मन साहि पृष
 रि सा ज्ञा वृ जान ग्रह ले वे फ्रा गा य ता प

द्वुत्तु झाइ प्रवाल जजमका ~~स्व~~ न ध्वय मत्त वि स प चर त न न न्न प्र स
धने धरि विरजा रा डा हि उग ररा म्वात हाम रम ध्व वा द्वा म्वा
थो ते द्वा ध्वय म्वा म्वा रं कि सिया ल सि ध्व ते ध्वय ॥

२०

धायं पुनि गृह्णातां ॥ ॥ गायहा ल ॥ यावहा रा स्वन स्य सुख वदु रव ता यावदा का म्वा म्वा
यावदा का म्वा म्वा गगल गल पति म्वा पति म्वा गगल ॥ यावदु झा पिना की हनि कमल
मगलं वेद सिद्ध न कानी ता पे लं पूरा पोगा सजन प निरु ता वदु ते ना झल श्री ॥ स्य पति म्वा
वन दा ह वनु ॥ ॥ इरु दग सा धन लं शा खं इग हय हला ॥ ॥ वा पे लं खन सिल ॥ व न सि
धल स्य था क न व के ॥ तितः पूजनं ॥ ॥ ६ का लि र व द्वा ध्व पी ला ह द्वा य न म्वा ॥ ३ ॥
प स सा धनं ॥ लं खन हा य ॥ न्या स ॥ ॥ अ व यु नं ॥ ध न्मु डा क न ॥ रु द या दि न य न नं ॥ या
अ लि ॥ ॥ ६ का ली र्वा का ग न्वा य पा इ का ॥ ग म्वा नी क न ॥ ॥ ३ प स पा सा य वि म्वा



जिमनिद्रा १२ जिमनिरा १२ जिमनेदं १२
 थोतेस कं एद ग्रहनामानजो निव मोर स्य
 सु रा रता सु सुगर स्या सु उद्ये २ वात स्या
 सु जोरन वसु २ वृ विर्न द एद ज सुव थो
 ते शी म विर्न वन वार क षा सु थो शा
 सासि वि वि वृ इता थी ता या वा का या व
 ग्र ह लु थो हि वृ ष रि स कु तु स पं व र त
 न थु नै षा गा प ता प को दू ज ज म का ४

मने ग से न म न सा न सा र स न म न म ते न म न म न वि १

मुने गयेन एक खान् द्वा इः यत्ता ॥ प ग ए हे र धर मन सि र वो त न्न द्वा या
 व वो ज्या य स्मृ वा पा न् पा द्म य व फा य का वि र ज्ञा धरि इ इ वा क् श म व स
 घेत हामर मध्वे म्मा त मध्वे १२ थी ते द्वा य ध्व य स्मृ वा पा सा सं वि वृ रि र
 मा मन् वे या स य थी ते ध्व य

विष्णु कर्म ल धी मही त नो ठा व पु वा द या त ॥ ॥ व त ह्या न त ॥ स म य न के म य न के ॥ मा
 विय ॥ ॥ य ज मान न के ले ख जान के ॥ ॥ अ द्र ॥ वे त व ना ह ह्या दि ॥ वा क् ॥ ॥ म म र य च न
 न दं द्वा ग व द्दि दे व तं तु ल्य म हं पा त ॥ ॥ मा ह ह्य क या त ले ख जा के दे व या के
 त न के ॥ ॥ जो ज ॥ न के ले ख का या ॥ जो त स या ज व द्म स पा त जो ठा जो ची न ॥ प शुं ग
 क्र मि दे वे ठा पु ति या म् त्व जा म त ॥ ॥ सा पि स र्ग स पा या च रि के त्वं प य च्छ ति ॥ ॥ प
 वि ज न म कृतं पा पं प शुं ज न्म न जा य त ॥ ॥ ह लो क प नि त्व द्म दि य लो कं स ग च्छ ति ॥

प शुं
 र

दव स्मरदा वच्चाय ॥ दीक्षन्मातयका ॥ मूहायका ॥ वीलसस्याय ॥ कलनच्चायः नि
लाकायः ॥ कलनसमतवियः सकयकाय ॥ ॥ मण्डलचाचक ॥ काग ॥ उैनम
॥ मुगमहा माययादिः ॥ आ योकेण समर्चदमिह स क धनं ह सुखदा रुकायं
किस्मिन्स्य तादृन्मं हं हितमवजग नो वेक वकुं शि नार्ण ॥ वाभात्र का च दवी चरव
कत्र हय धृकदी पयूवी कलाच ॥ नोमिः श्रीदानमध्व जलिमधन कृतं पातु
मां देवपात ॥ एका स्यं वा मत्र पंच एन क न धनं न कृत त्रु ह गं जं ॥ मक्का के वे
न वीद्यं गिनिज व न सु नं मघना दामन लं संप्रका लक्ष्मीं जं लकल धतु
जलं भाकि मर्हिः सविन्दुः नोमिः श्रीसिद्धिदा तु वद्रुकज न सु नं पातु मां दानद
का ॥ विघ्नमं ॥ धनवर्णक निवदमवनं तु कदकं शि नार्ण ॥ उं मूलं स्वदकं पनशु

पद्मलितं मङ्गलं लङ्घयाम् । ॥ सावीर्यं पुचतुः सुनपतिनवं यादत्र्यार्थमविन्दः ॥
मिः श्रीमं उपगुं इत लयहननं पातु मां विधिनाजः ॥ यं स्वस्वं यः पुनादं उहउह
उहकं उल्लिमाहं वनेह उमं रेष्टुं मं इतु ३ कं मपु कं अपु मपु ॥ मयिं रसं
स्वस्व ७ दं स्वस्व उह स्व उह वा गं मं मुपु कानं मजयति ह गवा न ह न वा लुग
नाजः ॥ वेष्टुवीगा कमानुटाहनिगा श्रीहनिन वासनी ॥ गजा कविन्द मडाच वेष्टु
वीचन मा ६ सुते ॥ ग्वप् मूल उक्त्या उधन वाने ॥ वक्ता नीहं समानुटा पीगाइ
पीत वासनी ॥ पुलाक विन्द मडाच वक्ता नीन मा ६ सुते ॥ माहं वनी वृषा नुटा
स्वगा श्री ॥ ग्वत वासनी ॥ पुलाक विन्द मडाच माहं वनी ० ॥ कोमा नीमयना नुट
यादि ॥ वेष्टुवीगा कमी त्यादि ॥ वानाही महि वा नुटा या ना नी दान वक्रिका

मीना कविन्दु मूडाच कोलरुपिनमा मुक्त ॥ वेंडा नी गजमा नूटा हमा झी ह
 मवासनी ॥ अथा कविन्दु मूडाच वेंडा नी ० ॥ वा म अणु मा तूटा नका
 उष्ठा रुपिनी ॥ म नूटा व दूडा ह माच ॥ वा म अणु ० ॥ सिंह सनमहा लकी
 गे लो क विन्दु मूडाका ॥ स्वतव वृत्ति ने गुं व च कुं व नी नमा मुक्त ॥ श्री सं स
 र्ही ॥ पा पाह ॥ अ नूटा ॥ वा क ॥ अणु मा अदि ॥ म लु ल स ची ह लान व च के
 म लु ल स न के ला हा सिय ॥ दे व द दि न त य के ॥ वा क न पूजा द दि न वि
 य के ॥ स क ल स नें दे व ज प य के ॥ ॥ वा क पूजा को य ॥ वा क न काय का
 य मा ल का का य ॥ म न वि य के ॥ स गु न पाह नि का य ॥ ज ज मा न य क अ
 रि य के ॥ च न्दन सिंह न माह नी खान वि य स क ल स वि य ॥ ॥ वा क न

खेदावन आभा कंद दवस

स्वदावन आभा र्त्तद दवस्तु

नयाजः सप्रयवियः वपन धियक ॥ न्यासलिकायवलि ॥ थय ॥ सूर्य

सादि थय ॥ ॥ वृत्तिदुलिमुजाविधि ॥

४ सु र्वा र्थ न्याससूर्य पात्र पूजा स पूजा च ॥ ४

स्नान २ य पश्चिम तं पूजार ३ उ नमः नि

उ नमो नहा हं नवा य ॥ ॥ यजमान न नो हियः क स्नान दन के ॥ ॥ अथादि ॥

यजमान स्य प्रतिकारिक शी ३ ० ० ० दत्त तामहादवीचिन निमित्तार्थ कर्तुं

सूर्य र्थे नमः ॥ ॥ आह न्यका न कि ॥ पूषा एत न या चक ॥ ३ ॥ हिदिन मु क्रिया ॥

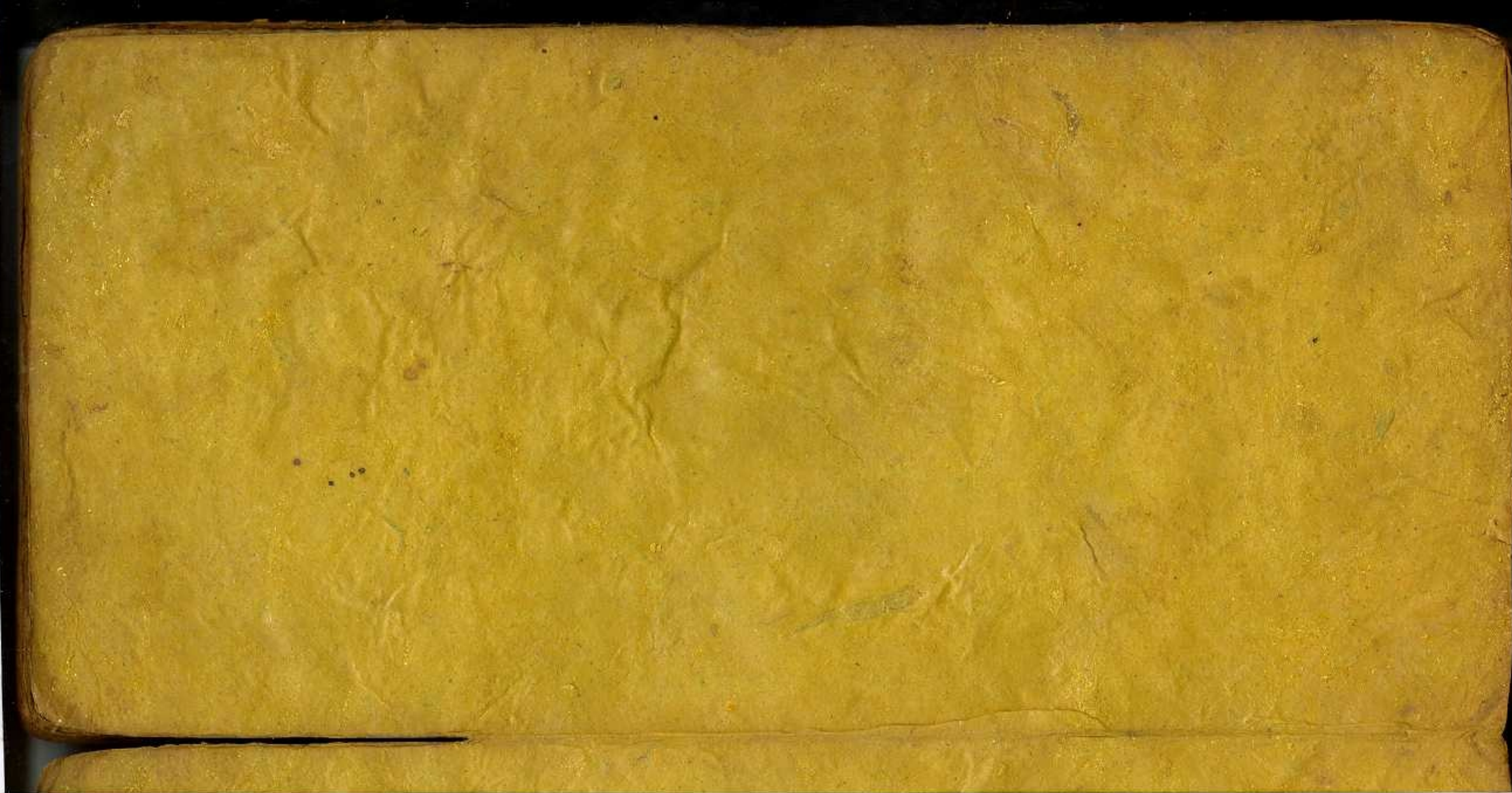
३ ॥ मादव स्नानं ॥ जल न ॥ ३ ॥ गङ्गा द्या ॥ इ ३ ॥ ३ ॥ क्षाने ल स्ना ॥ ध सि ॥ ३ ॥ ग्म ॥ ग्व

माया दधि ॥ ध ल ॥ ३ ॥ कपिलाया घृता ॥ ध सि ॥ ३ ॥ म धू क्षी स न ॥ सा ख ल ॥ ३ ॥ स्ना

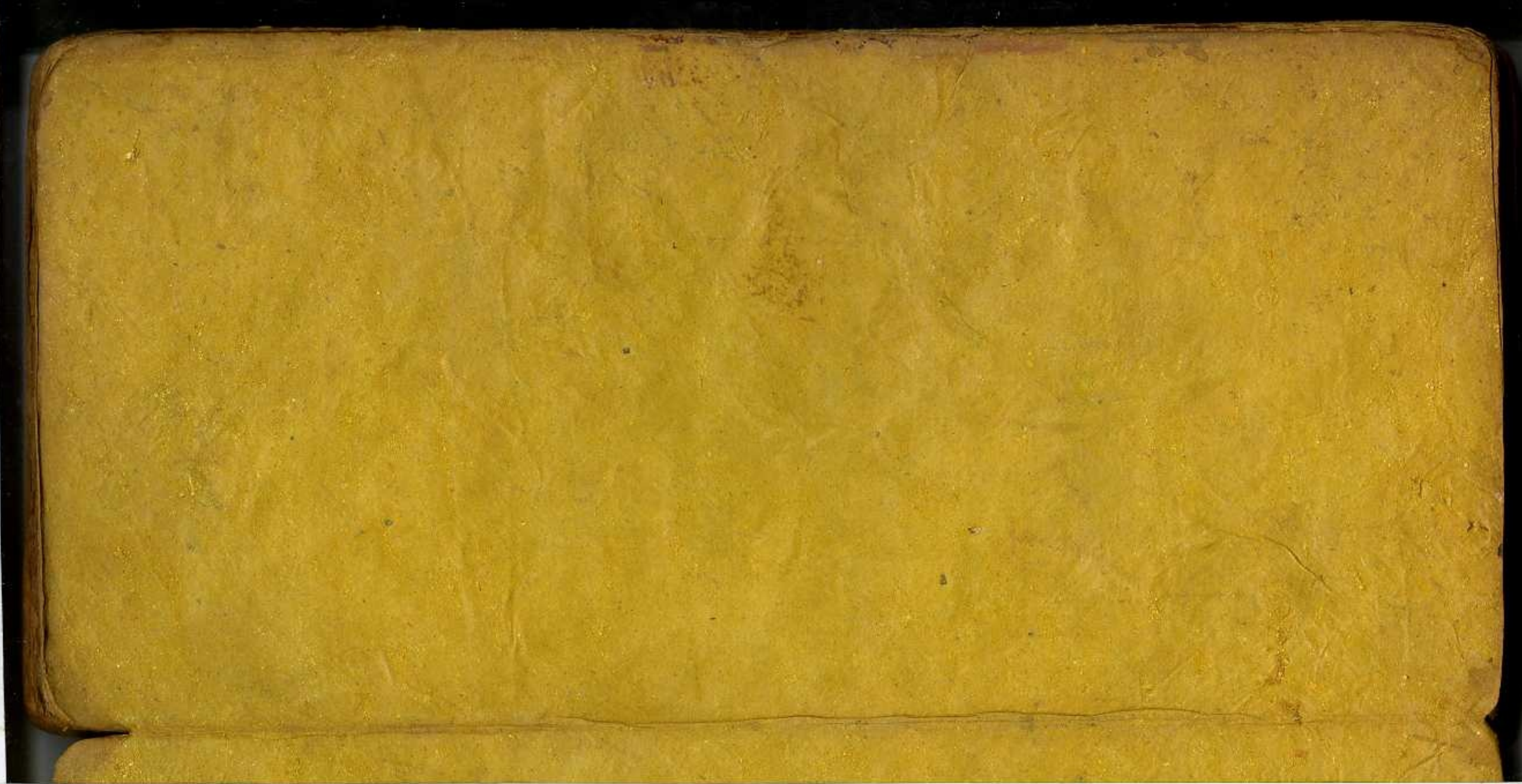
ने धू च ॥ पुनः जल स्नानं ॥ ज न्दन ॥ चंद नं म ल या ॥ सिंध ल ॥ सिद्ध नं नाग ॥ ॥

[illegible]

ॐ नमो नारायणाय











॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

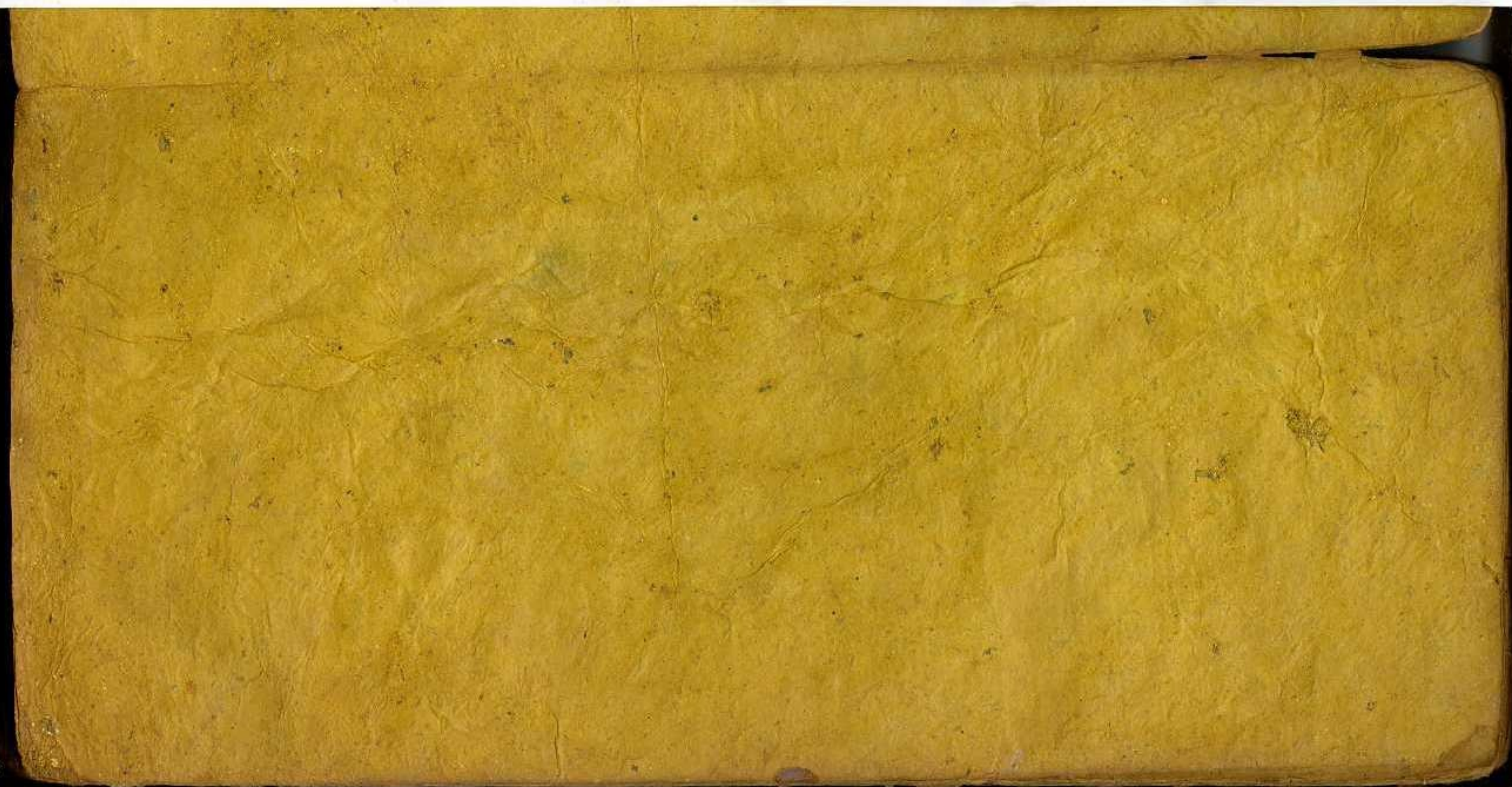
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ सर्वदुःखहर्त्रे नमः ॥
सर्वपापहर्त्रे नमः ॥ सर्वसुखदायिने नमः ॥

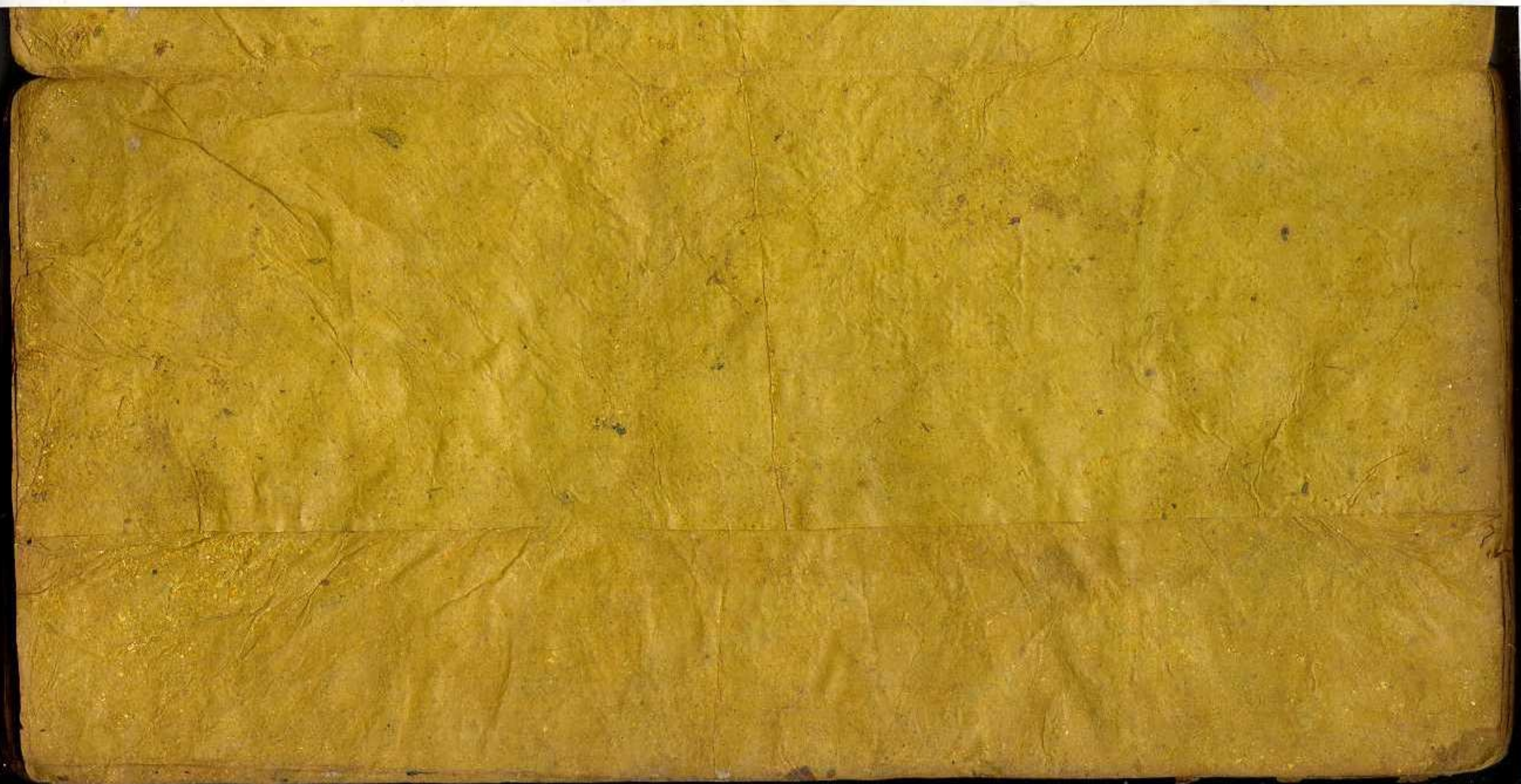
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ सर्वदुःखहर्त्रे नमः ॥
सर्वपापहर्त्रे नमः ॥ सर्वसुखदायिने नमः ॥

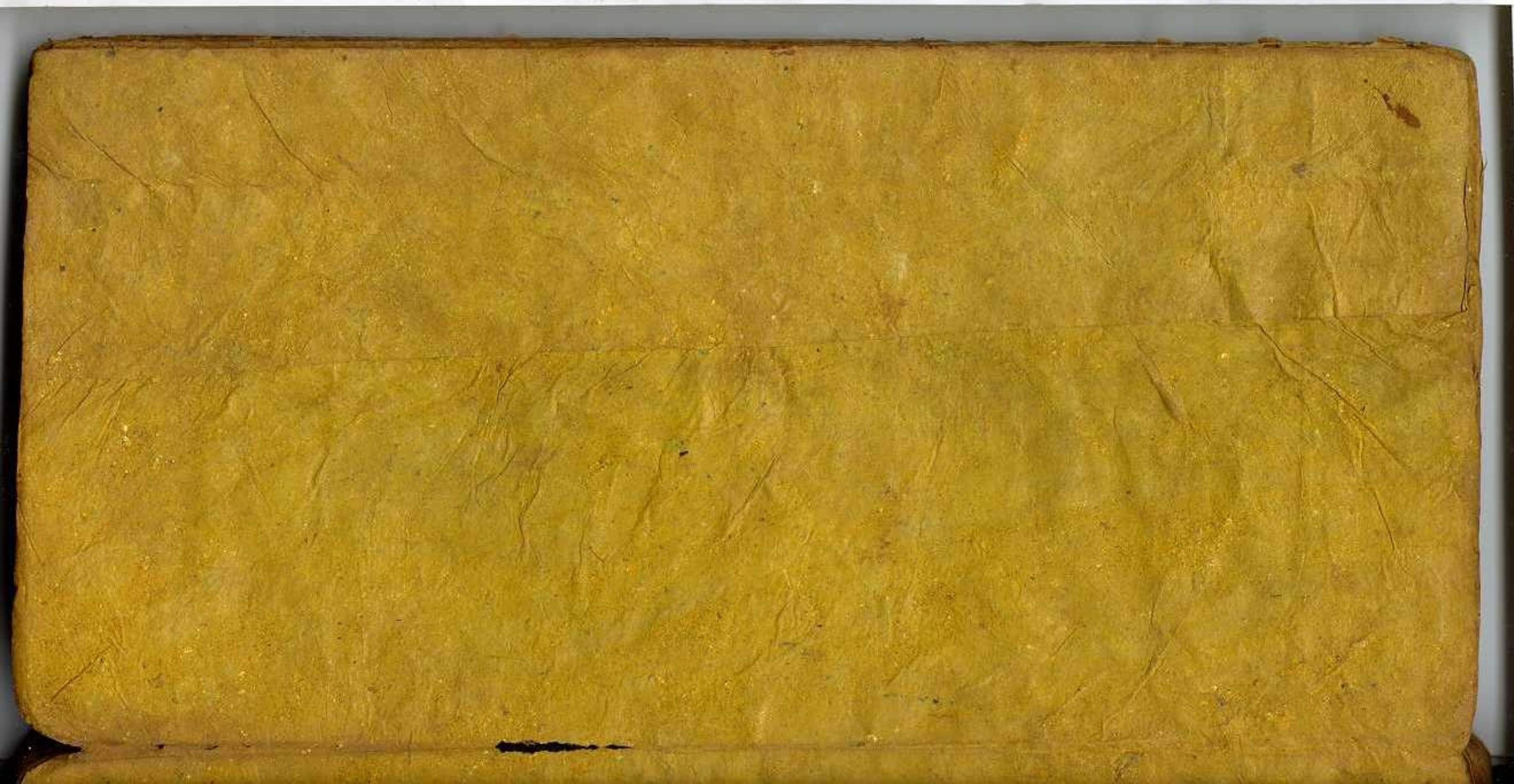
















[illegible]







ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
श्रीकृष्णाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥
 अर्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 धनुर्धरं शरैश्चरितं तान् पाण्डुपुत्रतम ॥
 बभूवुः पाण्डुपुत्रो द्रुपदं धर्मपुत्रकृतम् ॥
 ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भगवद्गीता
 अर्जुनसंवादे



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ सर्वदुःखहर्त्रे नमः ॥
सर्वपापहर्त्रे नमः ॥ सर्वसुखदायके नमः ॥
सर्वमङ्गलमाय नमः ॥ सर्वलोकपालाय नमः ॥
सर्वव्याधिविनाशके नमः ॥ सर्वशान्तिकर्त्रे नमः ॥
सर्वसौख्यदायके नमः ॥ सर्वसुखदायके नमः ॥
सर्वसुखदायके नमः ॥ सर्वसुखदायके नमः ॥
सर्वसुखदायके नमः ॥ सर्वसुखदायके नमः ॥
सर्वसुखदायके नमः ॥ सर्वसुखदायके नमः ॥
सर्वसुखदायके नमः ॥ सर्वसुखदायके नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीगणेशाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः



॥ २०० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीगणेशाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः



॥ २०० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीगणेशाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः



॥ २०० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीगणेशाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः



॥ ११३ ॥

ॐ

ॐ ह्रीं श्रीं वदुमाहाकि
कात्रियदाकि नियवि
मासय २५ अ अरु
साहा ७

मो २

लो

ॐ ह्रीं वदुमाहाकि
कात्रियदाकि नियवि
मासय २५ अ अरु
साहा ७

ॐ ह्रीं वदुमाहाकि
कात्रियदाकि नियवि
मासय २५ अ अरु
साहा ७

ॐ ह्रीं वदुमाहाकि
कात्रियदाकि नियवि
मासय २५ अ अरु
साहा ७

ॐ ह्रीं वदुमाहाकि
कात्रियदाकि नियवि
मासय २५ अ अरु
साहा ७

ॐ ह्रीं वदुमाहाकि
कात्रियदाकि नियवि
मासय २५ अ अरु
साहा ७

ॐ

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ਦੁਮਾਇਦ

[illegible]



ॐ ह्रीं क्लीं



ॐ ह्रीं क्लीं

ॐ ह्रीं क्लीं
 ॐ ह्रीं क्लीं
 ॐ ह्रीं क्लीं
 ॐ ह्रीं क्लीं
 ॐ ह्रीं क्लीं

पराशर

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



विद्यामयक



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



विद्यामयक

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भागवतसूक्तम्
 ॥ १ ॥



ॐ नमो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भागवतसूक्तम्
 ॥ १ ॥



ॐ नमो



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीमद्भागवतसूक्तम्
 ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मन्त्रावली
 यमस्यो यम



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 स वासुदेवाय नमः ॥
 स वासुदेवाय नमः ॥

१५ जनु ज्वल वंदन मनास न
 कंक्रमन वास्य तुरुल क्विद्ध थना
 जायात विय कं यामूल इउम
 तसका थयाध तिनसम्भक
 व्याना जातयु कं समष्टकया हल

१५ जनु ज्वल वंदन मनास न कंक्रमन वास्य
 तुरुल क्विद्ध थना जायात विय कं यामूल इउम
 जातसका थयाध तिनसम्भक व्याना जातयु
 कं समष्टकया हल

१५ नउ। जायाउम ग्राः स्वां वा या तायाः क
 सिपिपि नीउम वा। न के थ श न॥